



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	27.12.22	5	6-8

## HAU's pedal-operated peeler machine gets patent

TIMES NEWS NETWORK

Hisar: The pedal-operated fruit and vegetable peeler machine developed at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU), Hisar, has been granted a patent by the Indian Patent Office.

This machine, developed by the scientists of the university's College of Agricultural Engineering and Technology, will prove to be very beneficial for small and me-

dium scale food processors and budding entrepreneurs. The invention of the machine was done under the leadership of Nitin Kumar, D K Sharma and MK Garg.

Vice-chancellor Professor BR Kamboj said the continuous achievements of the university were the result of the hard work of the scientists.

Baldev Dogra, dean, College of Agricultural Engineering and Technology, said for preparing preserves or

jams and pickles, fruits and vegetables had to be pierced before further processing, which could be easily achieved by using this machine.

According to Jeet Ram Sharma, director of research, it drilled a uniform hole at a capacity of 30 kg per hour manually without the need for any other source like electricity or fuel, so it was best suited for rural and semi-urban areas where electricity was not available.



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

दीन 5 भास्कर

27.12.22

4

1-4

### उपलब्धि • बेर में 30 किग्रा. प्रति घंटे के हिसाब से किया जा सकेगा छेद, कैंडी बनाने में सहायक एचएयू के वैज्ञानिकों ने विकसित की फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन, पेटेंट मिला

भास्कर न्यूज़ हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक और उपलब्धि को विश्वव्यापी स्तर के नाम किया है। वैज्ञानिकों द्वारा अविष्कार की गई फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट मिल गया है। विश्वव्यापी स्तर के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह मशीन छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी। इस मशीन से आंवला, बेर और अन्य फलों में कैंडी बनाने के लिए 30 किग्रा. प्रति घंटे के हिसाब से छेद किया जा सकेगा। अतिरिक्त कर्मचारियों की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

मशीन का अविष्कार महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. नितिन कुमार, डॉ. डी.के. शर्मा व सेवानिवृत्त डॉ. एम.के. गर्ग की अगुआई में किया गया। इस मशीन को भारत सरकार की ओर से इसका प्रमाण-पत्र मिल गया है जिसकी पेटेंट संख्या 406360 है।



हिसार | एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज पेडल ऑपरेटेड मशीन के साथ के साथ वैज्ञानिक व अन्य।

**विश्वविद्यालय की उपलब्धियां:** कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का ही नतीजा है। वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस नई तकनीक के लिए पेटेंट मिलने पर उन्होंने सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की तकनीकों के विकास में सकारात्मक प्रयासों को विश्वविद्यालय हमेशा प्रोत्साहित करता रहता है और यह विश्वविद्यालय के लिए बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर प्रयास जारी रखने की अपील की।

रख-रखाव सार्च और लागत कम

कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. कलदेव डोगरा के अनुसार इसका प्रयोग किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा। छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए पेडल संचालित फल और सब्जी में छेद वाली मशीन फायदेमंद है। भारतीय पुरुषों और महिलाओं के एरोनोमेट्रिक मापों को ध्यान में रखते हुए इस मशीन को श्रमक्षता शास्त्र के अनुरूप डिजाइन किया गया है। इसलिए, इसका उपयोग पूर्व श्रेणीकरण की आवश्यकता के बिना आंवला, बेर, ककड़ी आदि जैसे कुछ फलों और सब्जियों के सभी आकारों और किस्मों में छेद करने के लिए किया जा सकता है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा के अनुसार यह बिजली या ईंधन जैसे किसी अन्य स्रोत की आवश्यकता के बिना मैन्युअल रूप से 30 किग्रा./घंटा की क्षमता पर एक समान छेद करती है, इसलिए यह ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लिए सबसे उपयुक्त है। मॉडिया एडवोकेटर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के इंजीनियर डॉ. विनोद सांगवान एवं कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व कर्मचारी भी मौजूद रहे।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	27.12.22	1	2-5

### फल छेदक पैडल आपरेटेड मशीन को मिला पेटेंट

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक और उपलब्धि को विश्वविद्यालय के नाम किया है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अविष्कार की गई फल और सब्जी छेदक पैडल आपरेटेड मशीन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट मिल गया है। विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के विज्ञानिकों द्वारा विकसित यह मशीन छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी। मशीन का अविष्कार महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के डा. नितिन कुमार, डा. डीके शर्मा व सेवानिवृत्त डा. एमके गर्ग की अगुवाई में किया गया। इस मशीन को भारत सरकार की ओर से प्रमाण-पत्र मिल गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज पैडल आपरेटेड मशीन के साथ मौजूद विज्ञानिक व अन्य। • पी.आर.ओ।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के विज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का ही नतीजा हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की तकनीकों के विकास में सकारात्मक प्रयासों को विश्वविद्यालय हमेशा प्रोत्साहित करता रहता है और यह विश्वविद्यालय के लिए बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए भविष्य में भी

इसी प्रकार निरंतर प्रयास जारी रखने की अपील की।

कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. बलदेव डोगरा के अनुसार इसका प्रयोग किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा।

छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए पैडल संचालित फल और सब्जी में छेद वाली मशीन के विकास से संबंधित है। प्रिजर्व या

मुरब्बा और अचार तैयार करने के लिए, फलों और सब्जियों को आगे की प्रक्रिया से पहले उनमें छेद करना पड़ता है, जो इस मशीन का उपयोग करके आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।

अनुसंधान निदेशक डा. जीत राम शर्मा के अनुसार यह बिजली या ईंधन जैसे किसी अन्य स्रोत की आवश्यकता के बिना मैनुअल रूप से 30 किग्रा/घंटा की क्षमता पर एक समान छेद करती है, इसलिए यह ग्रामीण और अर्ध शहरी क्षेत्रों के लिए सबसे उपयुक्त है जहां बिजली की आपूर्ति अभी भी एक समस्या है। इसमें फल और सब्जियों में छेद करने पर अधिक प्रयास की आवश्यकता नहीं है। इस अवसर पर ओएसडी डा. अतुल डोंगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता, मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य, आइपीआर सेल के इंचारज डा. विनोद सांगवान आदि मौजूद थे।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब कसरी	27-12-22	4	2-4

### हकृवि की फल और सब्जी छेदक पैडल ऑपरेटेड मशीन को मिला **पेटेंट**

हिसार, 26 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक और उपलब्धि को विश्वविद्यालय के नाम किया है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अविष्कार की गई फल और सब्जी छेदक पैडल ऑपरेटेड मशीन को भारत सरकार की ओर से पेटेंट मिल गया है।

विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह मशीन छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी। मशीन का अविष्कार महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. नितिन कुमार, डॉ. डी.के. शर्मा व सेवानिवृत्त डॉ. एम.के. गर्ग की अगुवाई में किया गया। इस मशीन को भारत सरकार की ओर से इसका प्रमाण-पत्र मिल गया है, जिसकी पेटेंट संख्या 406360 है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का



पैडल ऑपरेटेड मशीन के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व मशीन को विकसित करने वाले वैज्ञानिक।

ही नतीजा है। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा के अनुसार इसका प्रयोग किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा। छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए पैडल संचालित फल और सब्जी में छेद वाली मशीन के विकास से संबंधित है। प्रिजर्व या मुरब्बा और अचार

तैयार करने के लिए, फलों और सब्जियों को आगे की प्रक्रिया से पहले उनमें छेद करना पड़ता है, जो इस मशीन का उपयोग करके आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा के अनुसार यह बिजली या ईंधन जैसे किसी अन्य स्रोत की आवश्यकता के बिना मैनुअल रूप से 30 किग्रा/घंटा की क्षमता पर एक समान छेद करती है।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहें	27.12.22	5	4-8

### उपलब्धि

एचएयू वैज्ञानिकों द्वारा विकसित फल-सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को मिला पेटेंट

# वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का नतीजा है विवि की उपलब्धियां: कम्बोज

हिसार (सच कहें/सरदाना)।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक और उपलब्धि को विश्वविद्यालय के नाम किया है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अविष्कार की गई फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट मिल गया है। विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह मशीन छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी। मशीन का अविष्कार



एचएयू वैज्ञानिकों द्वारा बनाई गई फल-सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन दिखाते हुए

महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य कुमार, डॉ. डी.के. शर्मा व अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. नितिन सेवानिवृत्त डॉ. एम.के. गर्ग की

अगुवाई में किया गया। इस मशीन को भारत सरकार की ओर से इसका प्रमाण-पत्र मिल गया है जिसकी पेटेंट संख्या 406360 है।

कुलपति प्रो. वी.आर. कम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय की लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का ही नतीजा हैं। वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस नई तकनीक के लिए पेटेंट मिलने पर उन्होंने सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की तकनीकों के विकास में सकारात्मक प्रयासों को विश्वविद्यालय हमेशा प्रोत्साहित करता रहता है और यह विश्वविद्यालय के लिए बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने वैज्ञानिकों

की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर प्रयास जारी रखने की अपील की। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा के अनुसार इसका प्रयोग किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा। छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए पेडल संचालित फल और सब्जी में छेद वाली मशीन के विकास से संबंधित है। प्रिजर्व या मुरब्बा और अचार तैयार करने के लिए, फलों और सब्जियों को आगे की प्रक्रिया से पहले इनमें छेद करना पड़ता है, जो इस मशीन का उपयोग करके आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमर डूनाला	27-12-22	2	1-5

आदिष्कार

पैडल ऑपरटेड मशीन एक घंटे में 30 किलोग्राम फल-सब्जियों में कर सकती है छेद, मशीन का इस्तेमाल मुरब्बा और अचार तैयार करने में होगा

## फल और सब्जी छेदक पैडल मशीन पर एचएयू को मिला पेटेंट

माई सिटी रिपोर्टर



एचएयू में विकसित फल और सब्जी छेदक पैडल ऑपरटेड मशीन के साथ वीसी व अन्य वैज्ञानिक।

“ विश्वविद्यालय को मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का मतीजा है। इस नई तकनीक के लिए पेटेंट मिलने पर सभी कर्षकों के हकदार हैं। इस तरह की तकनीकों के विकास में सकारात्मक प्रयासों को विश्वविद्यालय हमेशा प्रोत्साहित करता रहता है। भविष्य में भी इसी प्रकार के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

- प्रो. बीआर कांबोज, कुलपति, एचएयू

किण्व/घंटा की क्षमता से काम करती है। इसमें फल और सब्जियों में छेद करने पर अधिक प्रयास की आवश्यकता नहीं है। मशीन संख्या और गहराई दोनों में समान रूप से फल को छेदती है। फलों व सब्जियों को छेदने के दौरान निकले रस को एकत्रित करने की भी व्यवस्था है। इस मशीन का उपयोग पूरी तरह से सुरक्षित और स्वच्छ है।

इस मौके पर ओएसडी डॉ. अतुल ढोंगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. यंजु महता, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल इंचार्ज डॉ. विनोद सांगवान, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व कर्मचारी भी मौजूद रहे।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अविष्कार 'फल और सब्जी छेदक पैडल ऑपरटेड मशीन' को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय को ओर से पेटेंट मिल गया है। विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह मशीन छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर के लिए फायदेमंद है। इस मशीन के जरिए 30 किग्रा/घंटा की दर से फलों में एक समान प्रकार के छेद किए जा सकते हैं।

मशीन का अविष्कार महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के

डॉ. नितिन कुमार, डॉ. डीके शर्मा व डॉ. एमके गर्ग की अगुवाई में किया गया। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नलदेव डोंगरा ने बताया कि इस मशीन का प्रयोग छोटे और मध्यम स्तर के फूड

प्रोसेसर मुरब्बा और अचार तैयार करने में कर सकते हैं। इस मशीन को पुरुषों और महिलाओं की आवश्यकता, व शारीरिक विशेषताओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इसमें कंचाई और निक्कासी समायोजन की व्यवस्था है। इससे

आंवला, बेर, ककड़ी आदि फलों और सब्जियों के सभी अकारों और किस्मों में छेद किया जा सकता है। अनुसंधान निदेशक डॉ. जित राम शर्मा ने बताया कि यह उपकरण बिना बिजली या किसी अन्य ईंधन के मैनुअल रूप से 30





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उजाला समाचार	27.12.22	8	1-5

# एचएयू वैज्ञानिकों द्वारा विकसित फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को मिला पेटेंट

हिसार, 26 दिसंबर (विरोध चर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक और उपलब्धि को विश्वविद्यालय के नाम किया है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अविष्कार की गई फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट मिल गया है। विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह मशीन छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी। मशीन का अविष्कार महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. नितिन कुमार, डॉ. डी.के. शर्मा व सेवानिवृत्त डॉ. एम.के. गर्ग की अगुवाई में किया गया। इस मशीन को भारत सरकार की ओर से इसका प्रमाण-पत्र मिल गया है जिसकी पेटेंट संख्या 406360 है। वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का नतीजा है विश्वविद्यालय

की उपलब्धियां : प्रो. बी.आर. काम्बोज कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का ही नतीजा हैं। वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस नई तकनीक के लिए पेटेंट मिलने पर उन्होंने सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की तकनीकों के विकास में सकारात्मक प्रयासों को विश्वविद्यालय हमेशा प्रोत्साहित करता रहता है और यह विश्वविद्यालय के लिए बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर प्रयास जारी रखने की अपील की।

**रख-रखाव खर्च व लागत कम जबकि कार्यक्षमता अधिक**



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज पेडल ऑपरेटेड मशीन के साथ व मशीन को विकसित करने वाले वैज्ञानिक व अन्य।

: कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा के अनुसार इसका प्रयोग किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा। छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए पेडल संचालित फल और सब्जी में छेद वाली मशीन के विकास से संबंधित है। प्रिजर्व या मुरब्बा और अचार तैयार करने के लिए, फलों और सब्जियों को आगे

की प्रक्रिया से पहले उनमें छेद करना पड़ता है, जो इस मशीन का उपयोग करके आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। भारतीय पुरुषों और महिलाओं के एंथ्रोपोमेट्रिक मापों को ध्यान में रखते हुए इस मशीन को श्रमक्षमता शास्त्र के अनुरूप डिजाइन किया गया है।

मशीन लिंग के प्रति तटस्थ है जिससे ये, पुरुष और महिला श्रमिकों के लिए एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन किया गया है। इसमें ऊंचाई और निकासी समायोज्य तंत्र हैं। इसलिए, इसका उपयोग पूर्व श्रेणीकरण की आवश्यकता के बिना आंवला, बेर, ककड़ी आदि जैसे कुछ फलों और सब्जियों के सभी आकारों और किस्मों में छेद करने के लिए किया जा सकता है। अनुसंधान

निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा के अनुसार यह बिजली या ईंधन जैसे किसी अन्य स्रोत की आवश्यकता के बिना मैनुअल रूप से 30 किग्रा/घंटा की क्षमता पर एक समान छेद करती है, इसलिए यह ग्रामीण और अर्ध शहरी क्षेत्रों के लिए सबसे उपयुक्त है जहां बिजली की आपूर्ति अभी भी एक समस्या है। इसमें फल और सब्जियों में छेद करने पर अधिक प्रयास की आवश्यकता नहीं है। मशीन संख्या और गहराई दोनों में समान रूप से फल को छेदती है और ख-समायोज्य है। इस मशीन के द्वारा फलों व सब्जियों को छेदने के दौरान निकले रस को एकत्र करने की भी व्यवस्था है। इस मशीन का उपयोग पूरी तरह से सुरक्षित और स्वच्छ है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के इंचार्ज डॉ. विनोद सांगवान एवं कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व कर्मचारी भी मौजूद रहे।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	26.12.2022	-----	-----

# एचएयू वैज्ञानिकों द्वारा विकसित फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को मिला पेटेंट

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अविष्कार की गई फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट मिल गया है। विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह मशीन छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी। मशीन का अविष्कार महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. नितिन कुमार, डॉ. डी.के. शर्मा व सेवानिवृत्त डॉ. एम.के. गर्ग की अगुवाई में किया गया। इस मशीन को भारत सरकार की ओर से इसका प्रमाण-पत्र मिल गया है जिसकी पेटेंट संख्या 406360 है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का ही



कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज पेडल ऑपरेटेड मशीन के साथ व मशीन को विकसित करने वाले वैज्ञानिक व अन्य।

नतीजा है। वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस नई तकनीक के लिए पेटेंट मिलने पर उन्होंने सभी को बधाई दी। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा के अनुसार इसका प्रयोग किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा। प्रिजर्व या मुरब्बा और अचार तैयार करने के लिए, फलों और सब्जियों को आगे की

प्रक्रिया से पहले उनमें छेद करना पड़ता है, जो इस मशीन का उपयोग करके आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। इसका उपयोग पूर्व श्रेणीकरण की आवश्यकता के बिना आंवला, बेर, ककड़ी आदि जैसे कुछ फलों और सब्जियों के सभी आकारों और किस्मों में छेद करने के लिए किया जा सकता है। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा के

अनुसार यह बिजली या ईंधन जैसे किसी अन्य स्रोत की आवश्यकता के बिना मैनुअल रूप से 30 किग्रा/घंटा की क्षमता पर एक समान छेद करती है, इसलिए यह ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लिए सबसे उपयुक्त है जहां बिजली की आपूर्ति अभी भी एक समस्या है। इसमें फल और सब्जियों में छेद करने पर अधिक प्रयास की आवश्यकता नहीं है।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	27.12.2022	-----	-----

# एचएयू वैज्ञानिकों द्वारा विकसित फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को मिला पेटेंट

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक और उपलब्धि को विश्वविद्यालय के नाम किया है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अविष्कार की गई फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट मिल गया है। विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह मशीन छेदे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी। मशीन का अविष्कार महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. नितिन कुमार, डॉ. डी.के. शर्मा व



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज पेडल ऑपरेटेड मशीन के साथ व मशीन को विकसित करने वाले वैज्ञानिक व अन्य।

सेवानिवृत्त डॉ. एम.के. गर्ग की अगुवाई में किया गया। इस मशीन को भारत सरकार की ओर से इसका प्रमाण-पत्र मिल गया है जिसकी पेटेंट संख्या 406360 है। कुलपति प्रो. बी.आर.

काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का ही नतीजा हैं। वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस नई तकनीक के लिए पेटेंट मिलने पर

उन्होंने सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की तकनीकों के विकास में सकारात्मक प्रयासों को विश्वविद्यालय हमेशा प्रोत्साहित करता रहता है और यह विश्वविद्यालय के लिए बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर प्रयास जारी रखने की अपील की। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा के अनुसार इसका प्रयोग किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा। छेदे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए पेडल संचालित फल और सब्जी में छेद वाली मशीन के विकास से संबंधित है।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हरार	27.12.2022	-----	-----

# फल सब्जी छेदक पैडल ऑपरेटेड मशीन को मिला पेटेंट

● कुलपति बोले-वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का नतीजा है विश्वविद्यालय की उपलब्धिया



कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज पैडल ऑपरेटेड मशीन के साथ व मशीन को विकसित करने वाले वैज्ञानिक व अन्य।

**सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी**  
हिसार, 26 दिसंबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक और उपलब्धि को विश्वविद्यालय के नाम किया है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अविष्कार की गई फल और सब्जी छेदक पैडल ऑपरेटेड मशीन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट मिल गया है। विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी

महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह मशीन छेदे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी। मशीन का अविष्कार महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. नितिन कुमार, डॉ. डी.के. शर्मा व सेवानिवृत्त डॉ. एम.के. गर्ग की अगुवाई में किया गया। इस मशीन को भारत सरकार की ओर से इसका प्रमाण-पत्र मिल गया है जिसकी पेटेंट संख्या

## लागत कम, कार्यक्षमता अधिक

कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा के अनुसार इसका प्रयोग किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा। छेदे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए पैडल संचालित फल और सब्जी में छेद वाली मशीन के विकास से संबंधित है। प्रिजर्व या मूरब्बा और अचार तैयार करने के लिए, फलों और सब्जियों को आगे की प्रक्रिया से पहले उनमें छेद करना पड़ता है, जो इस मशीन का उपयोग करके आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। अनुसंधान निदेशक डा. जीत राम शर्मा के अनुसार यह विजली या ईंधन जैसे किसी अन्य स्रोत की आवश्यकता के बिना मैन्युअल रूप से 30 किग्रा/घंटा की क्षमता पर एक समान छेद करती है, इसलिए यह ग्रामीण और अर्ध शहरी क्षेत्रों के लिए सबसे उपयुक्त है जहाँ विजली की आपूर्ति अभी भी एक समस्या है। इसमें फल और सब्जियों में छेद करने पर अधिक प्रयास की आवश्यकता नहीं है। मशीन संख्या और गहराई दोनों में समान रूप से फल को छेदती है और स्व-समायोज्य है। इस मशीन के द्वारा फलों व सब्जियों को छेदने के दौरान निकले रस को एकत्र करने की भी व्यवस्था है। इस मशीन का उपयोग पूरी तरह से सुरक्षित और स्वच्छ है।

406360 है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का ही नतीजा हैं। वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस नई तकनीक के लिए पेटेंट मिलने पर उन्होंने सभी को बधाई दी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल

हींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के इंचार्ज डॉ. विनोद सांगवान एवं कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व कर्मचारी भी मौजूद रहे।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	27.12.2022	-----	-----

### एचएयू वैज्ञानिकों द्वारा विकसित फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को मिला पेटेंट

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक और उपलब्धि को विश्वविद्यालय के नाम किया

महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह मशीन छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए बहुत

को भारत सरकार की ओर से इसका प्रमाण-पत्र मिल गया है जिसकी पेटेंट संख्या 406360 है। वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का नतीजा है विश्वविद्यालय की उपलब्धियां : प्रो. बी.आर. काम्बोज कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का ही नतीजा हैं। वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस नई तकनीक के लिए पेटेंट मिलने पर उन्होंने सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की तकनीकों के विकास में सकारात्मक प्रयासों को विश्वविद्यालय हमेशा प्रोत्साहित करता रहता है और यह विश्वविद्यालय के लिए बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने

वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर प्रयास जारी रखने की अपील की। रख-रखाव खर्च व लागत कम जबकि कार्यक्षमता अधिक कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा के अनुसार इसका प्रयोग किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा। छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए पेडल संचालित फल और सब्जी में छेद वाली मशीन के विकास से संबंधित है। गिर्जव या मुरब्बा और अचार तैयार करने के लिए, फलों और सब्जियों को आगे की प्रक्रिया से पहले उनमें छेद करना पड़ता है, जो इस मशीन का उपयोग करके आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।



है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अविष्कार की गई फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट मिल गया है। विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी

फायदेमंद साबित होगी। मशीन का अविष्कार महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. नितिन कुमार, डॉ. डी.के. शर्मा व सेवानिवृत्त डॉ. एम.के. गर्ग की अगुवाई में किया गया। इस मशीन